Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.P.A. II YEAR PRIVATE

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak***			
C1-101	History & development of Indian dance	100	100	33%
C1-102	Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100	100	33%
E1-102	THEORY-2	100	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100	100	33%
E2-102	THEORY-II	100	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100	35	33%
F-HM-103	ENVIRONMENTAL STUDY - III	100	30	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : BPA II_{nd} Year
Subject : Kathak Dance
Paper : I^{st}
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History anddevelopment of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 100

	Particulars/विवरण	
Unit- 1_{st}	1. मध्यकाल से आधुनिक काल तक भारतीय नृत्य कला का इतिहास। 2. शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम का परिचय।	
Unit- II^{nd}	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तों का (17 से 28) तक श्लोक एवं विनियोग सहित ज्ञान। 2. अभिनय दर्पण के विषय वस्तु का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- III^{rd}	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार में वर्णित दृष्टि भेदों का श्लोक सहित अध्ययन। 2. अभिनय दर्पण के अनुसार पात्र लक्षण (गुण एवं दोष)	
Unit- IV^{th}	1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञानः– आमद, सलामी, तोड़ा, टुकड़ा, परन, कवित्त, चक्करदार परन। 2. शास्त्रीय कुचीपुड़ी नृत्य का परिचय दीजिए।	
Unit- V^{th}	1. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदानः– पं. कार्तिक राम, पं. कल्याण दास, पं. फिरतु दास, पं. रामलाल, पं. बर्मनलाल। 2. कथक नृत्य के प्रस्तुतिक्रम का विवरण।	

नोट :– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल–तीन ताल, कहरवा, दादरा की पुर्नरावृत्ति।

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल –एक ताल, चौताल

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : BPA II_{nd} Year
Subject : Kathak Dance
Paper : 2^{nd}
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 100

Particulars/विवरण

Unit- 1_{st}	1. कथक नृत्य के जयपुर व लखनऊ की शैलीगत विशेषताऐं एवं सम्बंधित नृत्यकारों के बारे में जानकारी। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान– पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद। 2. मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- II^{nd}	3. अभिनय दर्पणानुसार संयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक सहित अध्ययन क्रमानुसार (1 से 16) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन 4. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का संक्षिप्त अध्ययन।	
Unit- III^{rd}	1. कथक नृत्य में ताल की महत्ता। 2. अभिनय के प्रकार को समझाइए एवं कथक नृत्य में उनका प्रयोग।	
Unit- IV^{th}	3. त्रिताल, कहरवा, दादरा ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना। 4. त्रिताल में समस्त सीखे गये बोलों का लिपिबद्ध करना।	
Unit- V^{th}	1. एकताल व चौताल की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये समस्त बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।	

नोट :– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल–तीन ताल, कहरवा, दादरा की पुर्नरावृत्ति।
द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल – एक ताल, चौताल

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)

9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांक : 100**

Unit- 1_{st}	1. शिव वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. चौताल अथवा एक ताल में निम्नानुसार नृत्यः– ठाठ, एक उठान एक आमद, एक तोड़े, एक सादा परन, एक चक्करदार तोड एवं एक चक्करदार परन।	
Unit- II^{nd}	1. गत निकास– घूंघटएवंबिंदिया 2. गतभाव–होली	
Unit- III^{rd}	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार दृष्टि भेदों का श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- IV^{th}	3. किसी भी प्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन। 4. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार गति भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- V^{th}	एक ताल अथवा चौताल में निम्नानुसार नृत्यः– पद संचालन तत्कार की एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोल पढन्त करने की क्षमता।	